Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

BAJY-302

मेलापक एंव विवाह मुहूर्त विचार

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी0ए0–12 / 16 / 17

तृतीय वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. अष्टकूटों का नामोल्लेख करते हुये वश्य विचार का निरूपण कीजिए।

P.T.O.

Q.2. त्रिबलशुद्धि का विस्तृत विवेचन कीजिए।

Q.3. नाडी विचार का परिचय देते हुये नाडी दोष परिहार का वर्णन कीजिए।

Q.4. वधूप्रवेश मुहूर्त्त का विस्तृत विवेचन कीजिए।

Q.5. भकूट के लक्षण, भकूट दोष एंव उसके परिहार का वर्णन कीजिए।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. वर्ण विचार का प्रतिपादन कीजिए।

Q.2. विवाह में गण विचार के महत्व का प्रतिपादन कीजिए।

Q.3. द्विरागमन में शुक्र विचार का निरूपण कीजिए।

Q.4. वैधव्य कारक योगों का निरूपण कीजिए।

Q.5. विवाह मुहूर्त्त के दश दोषों का नामोल्लेख करते हुये लत्ता दोष का प्रतिपादन कीजिए।

Q.6. विवाह के प्रयोजन को लिखिए।

Q.7. वर वरण मुहूर्त्त का निरूपण कीजिए।

Q.8. पात संज्ञक दोष एंव फल का निरूपण कीजिए।

****